University in News on 24 April 2022

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

NBT PAGE 9

पुस्तकों की दुनिया | विश्व पुस्तक दिवस पर एलयू के पूर्व छात्र अनिल सिंह की किताब 'मेरी अशीष यात्रा' का हुआ विमोचन

'छात्र जीवन में एलयू और उसकी कैंटीन की भी अहमियत'

एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल सिंह की 'मेरी अशीष यात्रा' किताब पिछले कई दशकों में एलयू से गुजरे हर विद्यार्थी को जोड़ती है। इस किताब के जरिए वह उस दौर को दोबारा जी पाएगा। यह बात उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। वह शनिवार को विश्व पुस्तक दिवस पर मालवीय सभागार में एलयू के पूर्व छात्र व एग्जीक्यूटिव काउंसिल के सदस्य अनिल सिंह की किताब के विमोचन पर बोल रहे थे।

ब्रजेश पाठक ने छात्र जीवन में एलयू की कैंटीन और उन्हें चलाने वालों की अहमियत है। उन्होंने अनिल सिंह के साथ बिताए पल साझा किए। केरल के राज्यपाल व एलयू के पूर्व छात्र रहे आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि मुंबई में आतंकवादी हमले में देश की रक्षा करने वाले शहीद पुलिस अफसर ने निवेदन किया था कि उनके बेटे को राजनीति के बारे में बताएं। उन्होंने एलयू में विद्यार्थियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा ज्ञान हासिल करने की कोशिश करें। इस मौके पर पूर्व मुख्य सचिव अतुल गुप्ता, डॉ. जीपी शाही, न्यायमूर्ति एससी वर्मा, पद्मश्री प्रो वीके पुरी, एपी महेश्वरी, जस्टिस देवेंद्र उपाध्याय, जस्टिस डीआर सिंह, सीनियर एडवोकेट आईबी सिंह, यशवंत सिंह, रामाधीन सिंह, गोरखपुर विवि के कुलपति प्रफेसर राजेश सिंह, पद्मश्री मंसूर हसन मौजूद रहे।

एसकेडी अकेडमी में मनाया पुस्तक दिवस

विश्व पुस्तक दिवस के मौके पर एसकेडी अकेडमी के बच्चों ने गरीब बच्चों को पुस्तकें बांटी। बच्चों ने पुस्तकें बांटने के अलावा किताबें पढ़ी, कहानियां सुनाई और स्पीच प्रतियोगिता व इलोक्यूशन प्रातियोगिता में हिस्सा लिया। निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि किताबें सबसे अच्छी मित्र होती है। इन्हें पढ़ कर अपने ज्ञान को बढ़ाना चाहिए।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

पॉलिटिक्स के चक्कर में न पड़ें छात्र : आरिफ

पुस्तक 'मेरी अशेष यात्रा' के विमोचन समारोह में पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा समेत कई विभूतियां

लविवि में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान साथ में हैं पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा। समारोह में लविवि के पूर्व कार्य परिषद सदस्य रहे अनिल सिंह द्वारा रचित पुस्तक मेरी अशेष यात्रा का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर लविवि के कुलपति प्रो.डॉ. आलोक राय, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य। फोटो : एसएनबी

लखनऊ (एसएनबी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा ज्ञान हासिल करने की कोशिश करो। पॉलिटिक्स के ग्लैमर के चक्कर में ना पड़ो, अगर आपके पास प्रतिभा, ज्ञान और जानकारी है, ऐसे व्यक्ति को आज के युग में कोई अनदेखा नही कर सकता। आज के इन्फॉर्मेशन एज में ज्ञान ही असली शक्ति है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि इन्सान की जिंदगी का उद्देश्य मृत्यु पर्यन्त ज्ञान की खोज करते रहना है। भारतीय संस्कृति दुनिया में अकेली संस्कृति है जो ना तो नस्ल, न भाषा, न आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके, से परिभाषित होती है। नोबेल विजेता श्री रविंद्रनाथ टैगोर की नोबेल लेते समय के भाषण में से पंक्तियों को दोहराते हुए श्री खान ने बताया की भारतीय होने का अर्थ क्या होता है।

> कार्य परिषद सदस्य अनिल सिंह की पुस्तक के विमोचन पर पहुंचे केरल के राज्यपाल

श्री खान लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में लोक अधिकार मंच के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कार्य परिषद सदस्य रहे अनिल सिंह द्वारा रचित पुस्तक मेरी अशेष यात्रा का विमोचन कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने जीवन में ज्ञान का महत्व के विषय में बोलते हुए बताया कि जब मुंबई में आतंकवादी हमला हुआ था उसके बाद जब भी मुंबई जाते थे, इस हमले में देश की रक्षा करने वाले एक पुलिस अफसर का बेटा हर बार उनसे मिलने आता था। उस अफसर ने यह निवेदन किया था क्योंकि उनका बेटा राजनीति के क्षेत्र में रुचि रखता है और विधि की पढ़ाई कर रहा है वह कुछ समय श्री खान के साथ दिल्ली में बिताना चाहता था ताकि वह भी राजनीति के दांव पर जो को समझ सके। श्री खान ने बताया कि उन्होंने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि उस अफसर के बेटे को यह समझा सके कि पॉलिटिक्स की ग्लैमर से प्रभावित नही होने देना है।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपना व्याख्यान दिया। अपनी कर्मभूमि को प्रणाम करते हुए उन्होंने अनिल सिंह के साथ बिताए अपने छात्र जीवन के समय से कई खट्टे मीठे पल सबके साथ साझा किए। बड़े भाई तुल्य अनिल सिंह की लिखी इस पुस्तक की श्री पाठक ने भूरी प्रशंसा की और बताया कि लेखों की शैली और भाषा पे नियंत्रण से लेकर पुस्तक में वर्णित विभिन्न घटनाओं का मार्मिक वर्णन से ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी मंझे हुए साहित्यकार की रचना हो। उन्होंने कहा कि लेखक की जिजीविषा अनिल सिंह के मन में जागृत हो चुकी है और निश्चित ही यह उनकी एक मात्र किताब नही होगी। उन्होंने अपने छात्र जीवन में विश्वविद्यालय के कैंटीन और उन्हे चलाने वाले लोगों के महत्त्व को भी याद किया।

विशिष्ट अतिथि उप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री प्रो. दिनेश शर्मा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने गोमती सफाई अभियान जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का संदर्भ देते हुए कहा कि अनिल सिंह की कार्यशीलता हमेशा विभिन्न लोगों को उनकी तरफ आकृष्ट करती रहती है।

विमोचन समारोह में लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के साथ प्रोफेसर निशी पांडे, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ हिमांशु सिंह एवं वी.पी.सिंह ने किया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्य सचिव अतुल गुप्ता, डॉ जीपी शाही, न्यायमूर्ति एस सी.वर्मा, पद्मश्री प्रोफेसर वी.के.पुरी, ए.पी. महेश्वरी, जस्टिस देवेंद्र उपाध्याय, जस्टिस डी आर सिंह, सीनियर एडवोकेट आई.वी.सिंह, विधायक यशवंत सिंह, रामाधीन सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर राजेश सिंह, पद्मश्री मंसूर हसन, सी.एस. पांडे, विधायक पवन सिंह, बलराज सिंह चौहान, प्रोफेसर एम पी सिंह, प्रशांत अटल, श्रीमती शीतल सिंह, अशोक सिंह, डॉ अम्मार रिज़वी, पद्मश्री प्रो राज विसारिया समेत दर्जनों लोग आमंत्रित थे।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय करेगा एसिड अटैक पीड़िताओं पर शोध

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) जल्द ही एसिड अटैक पीड़िताओं के जीवन संघर्ष, मादक द्रव्यों के सेवन से युवाओं में पनपने वाली मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक विकृति की रोकथाम में योग की भूमिका पर शोध करेगा। शासन ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत विश्वविद्यालय के आठ शोध प्रस्तावों के लिए करीब 18 लाख रुपये की राशि मंजूर की है। इस संबंध में विशेष सचिव मनोज वर्मा ने पत्र जारी कर दिया है।

प्रत्येक वर्ष रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत शिक्षकों के शोध कार्यों के लिए प्रस्ताव भेजे जाते हैं। शासन शोध के लिए धनराशि जारी करता है। इस बार पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग और भौतिक विज्ञान विभाग से एक-एक, विधि विभाग से दो और समाज कार्य विभाग से तीन शोध प्रस्ताव के लिए धनराशि स्वीकृत हुई है। समाज कार्य विभाग के हेड प्रो. अनूप कुमार भारत में एसिड अटैक पीड़िताओं के जीवन संघर्ष पर अध्ययन करेंगे। वह बताते हैं कि इस अध्ययन की शुरुआत लखनऊ से होगी। एसिड अटैक पीड़िताओं से मिलकर उनके जीवन की समस्याओं, घटना के कारण का पता लगाया जाएगा। महिला पुलिस थानों के माध्यम से डाटा भी जुटाएंगे।

मादक द्रव्यों के सेवन से युवाओं में होने वाली मानसिकता पर शोध : विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह मादक द्रव्यों के सेवन से युवाओं में पनपने वाली मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक विकृति की रोकथाम में योग की भूमिका पर अध्ययन करेंगे। इसके लिए नशा मुक्ति केंद्र से भी मदद ली जाएगी।

इन विषयों पर भी होगा शोध कार्य : महिलाओं के खिलाफ होने वाले साइबर अपराध व न्याय निष्पादन विषय पर विधि विभाग के डा. आशीष कुमार श्रीवास्तव को शोध प्रोजेक्ट मिला है।

'भारत की निरंतरता उसकी विविधता, इसी ने हमें जिंदा रखा'

लवि में अनिल सिंह (बाएं से तीसरे) की पुस्तक मेरी अशेष यात्रा का विमोचन करते केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान (दाएं से दूसरे) साथ में (बाएं से दाएं) उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा व कुलपति लवि प्रो. आलोक राय • जागरण

- केरल के राज्यपाल ने कहा कि बांटना नहीं सिखाती हमारी संस्कृति
- लखनऊ विश्वविद्यालय में किताब 'मेरी अशेष यात्रा' का विमोचन

जासं, लखनऊ : केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने कहा कि आस्था एक चीज है और आस्था की अभिव्यक्ति दूसरी। हमारी संस्कृति बांटना नहीं सिखाती। हमारी संस्कृति मानती है कि आत्मा से हम सब एक साथ बंधे हुए हैं। खुद को बांट लेना, न आस्था है, न आस्था की अभिव्यक्ति। हमारी असल विरासत है सिर्फ अपने को समझने की कोशिश। भारत की निरंतरता उसकी विविधता है। इसी विविधता ने हमें जिंदा रखा है। इसका सम्मान और संरक्षण करें। लोक अधिकार मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह की किताब मेरी अशेष यात्रा के विमोचन कार्यक्रम में आरिफ मुहम्मद खान ने भारतीय संस्कृति का सही अर्थ समझाया। शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में हुए आयोजन में उन्होंने कहा कि आत्मा के रूप में ब्रह्म हम सभी के अंदर हैं, यह भारतीय संस्कृति है, यहां कोई अलग नहीं, सब एक हैं।

राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने आगे कहा कि हमसे भारी भूल हुई है कि हमने ज्ञान की साझेदारी बंद कर दी। भारत की सभ्यता ज्ञान और प्रज्ञा के संवर्धन के लिए जानी जाती है। कोई भी समाज तब ताकतवर बनता है, जब उसमें ज्ञान का अकूत भंडार हो। इससे पहले उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि लेखक ने किताब में विश्वविद्यालय में प्रवेश से लेकर अब तक की यात्रा लिखी है। सामयिक घटनाओं को दिल से निकालकर कागज पर उकेरा है। इमरजेंसी की घटनाओं का भी जिक्र है। किताब पढ़कर लगा कि यह किताब तो मेरे लिए ही लिखी गई है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि पुस्तक की जो विषय वस्तु है, उसमें लेखक का अनुभव समाया है। हमें याद रखना चाहिए कि पछतावा अतीत नहीं बदल सकता और चिंता भविष्य नहीं सुधार सकती, इसलिए वर्तमान का आनंद लें। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की।

उप मुख्यमंत्री से मिलने जाने पर पुलिस से रोका : लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) और आल इंडिया स्टूडेंट एशोसिएशन (आइसा) के कार्यकर्ता छात्रवृत्ति की समस्या को लेकर ज्ञापन देना चाहते थे, लेकिन पुलिस और प्रोक्टोरियल बोर्ड ने उन्हें वहां जाने से रोक दिया। इस दौरान काफी बहस भी हुई। एनएसयूआइ के सदस्य विशाल सिंह, प्रिंस प्रकाश, सदफ़ तसनीम व आएसा के सदस्य निखिल का आरोप है कि उन्हें छात्रों की समस्या बताने का मौका न देकर नजरबंद कर दिया गया था।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एकता और अखण्डता को प्रदर्शित करती पुस्तक मेरी अशेष यात्रा

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के मालवीय सभागार में पुस्तक का विमोचन करने आए केरल के राज्यपाल ने हाल की घटनाओं पर कटाक्ष किया। अपनी विवादित टिप्पणियों के कारण चर्चा में रहने वाले केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने हाल की घटनाओं पर इशारों में कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक जुलूसों को अपने मोहल्ले या इबादतगाह के सामने से न निकलने देना हमारी सांस्कृतिक विरासत कतई नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हमें 250 साल पहले की उपनिवेशवादी विरासत से मिला है। केरल के राज्यपाल शनिवार को यहां लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में राजनेता और लोक अधिकार मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह की पुस्तक 'मेरी अशेष यात्रा के विमोचन पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आपके पास कोई विधा है, जानकारी है तो दुनिया की कोई ताकत आपको मौजूदा युग में अनदेखा नहीं कर सकती। ज्ञान के युग में हम प्रवेश कर रहे हैं। आप यहां ज्ञान हासिल करने आते हैं। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं इंसान की जिंदगी का उद्देश्य जीवनपर्यन्त ज्ञान प्राप्त करना है। एक मशहूर अंग्रेजी लेखक कहते हैं कि तुम कौन हो ये इससे अलग नहीं किया जा सकता कि तुम कहां से आए हो। कहां पैदा हुए हो। मतलब मैं कौन हूं? मैं उनका वारिस हूं जो अपने देश की एकता अखंडता की रक्षा नहीं कर सके। जो धार्मिक उन्माद में आ कर हजारों नहीं, लाखों लोगों की बलि देने को मजबूर हुए। क्या मैं सिर्फ वह हूं, जिसके मोहल्ले से कोई धार्मिक जुलूस नहीं गुजरेगा, मेरी इबादतगाह के सामने से नहीं गुजरेगा। उन्होंने कहा कि, जो भी मेरा तरीका हो, आस्था एक बात है और उसकी अभिव्यक्ति अलग। आस्था की अभिव्यक्ति का मेरा जो भी तरीका हो। क्या अभिव्यक्ति के तरीकों से मैं खुद को भीतर से बांट लूंगा? बिल्कुल हमारा इतिहास है, लेकिन क्या सिर्फ यही मेरा इतिहास है। या सिर्फ उपनिवेशवादी विरासत से हमें मिला है। जो हमारी असल विरासत से इसका कोई लेना देना नहीं है। क्योंकि ये नजदीक की घटनाएं हैं इसलिए हमारे दिमाग पर हावी हैं। भारतीय संस्कृति दुनिया में अकेली है जो विविधता के कारण अब तक बनी हुई है। उन्होंने दुनिया की अन्य सभ्यताओं का उदाहरण देते हुए तुलना की। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने लेखक अनिल सिंह की पुस्तक की प्रशंसा की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभागार में बैठे पूर्व छात्रों से विश्वविद्यालय को सहयोग करने की मंच से अपील की। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक के विक्रम राव ने पुस्तक के बारे में जानकारी दी।

FIRST INDIA PAGE 13

Celebrating World Book Day

During the session

CITY FIRST

On the occasion of World Book Day at the Department of Library and Information Science, Lucknow University, a program was organised. The program was conducted by Dr Mashiuddin Khan, librarian of Maulana Azad National University.

Dr Babita Jaiswal, Head of Department, Library and Information Science, spoke in a session and emphasised on the importance of the Internet and books as sources of information and knowledge.

While inaugurating the session, Dr Jyoti Mishra, Deputy Librarian, Tagore Library, Lucknow University, emphasised on the value of literature. Dr Mishra, recalling experiences from his childhood, stated that books play a crucial part in the whole formation of the human psyche.

In today's world, where the Internet is everywhere, reading books is a highly pleasurable experience. Following that, Dr Anjali Gulati, Head of Department, Library and Information Science, IT College, congratulated the members in attendance.

Continuing the conversation, he stated that we may go on in our lives without hindrance if we use the light of book knowledge.

HEALTH IS WEALTH

CITY FIRST

Under the patronage and guidance of Vice-chancellor Professor Alok Kumar Rai, the Department of Home Science Khwaja Moinuddin Chishti language University Lucknow will host an event for female students of the University of Lucknow titled "A step towards good health" BMI and Diet counselling session on the 7th and 14th of May 2022 at Girls hostel in both the old and new campuses of the University of Lucknow. During the session students' Height and weight will be measured and BMI (Basic metabolic Index) will be calculated. Thereafter a diet counselling session will be open for everyone who wishes to discuss their dietary habits to promote good health. This session will be fruitful as good health and the aim of achieving it is a prime concern for everyone. The event will be coordinated by DSW, the University of Lucknow Prof Poonam Tandon and Dr Tatheer Fatma Dean and Head Department of Home Science Khwaja Moinuddin Chishti Language University Lucknow.

AMRIT VICHAR PAGE 3

भारत की संस्कृति बंटवारे की नहीं: आरिफ

अमृत विचार, लखनऊ

विमोचन
- हमे पता हो या ना हो, पर दुनिया हमारी क्षमता को जानती है
- विश्व पुस्तक दिवस पर लविवि मालवीय सभागार में समाजसेवी अनिल सिंह द्वारा रचित पुस्तक 'मेरी अशेष यात्रा का लोकार्पण

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में कहा कि भारत की संस्कृतिक बंटवारे की नहीं है। बंटवारे की संस्कृति का इतिहास डेढ़-दो सौ साल पुराना है। इसी वजह से देश का विभाजन हुआ। अब हमें इस विचार को पनपने नहीं देना है। यह हमारा इतिहास नहीं है। वह विश्वविद्यालय के मालवीय हाल में लोक अधिकार मंच की ओर आयोजित समाजसेवी अनिल सिंह कृत पुस्तक ''मेरी अशेष यात्रा के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया में अकेली संस्कृति है जो, ना तो नस्ल, न भाषा, न आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके, से परिभाषित होती है। भारतीय संस्कृति की शिक्षा यह है कि वह सबको अपने आप में देखता है और सबमें अपने आप को देखता है, और ऐसी शिक्षा में कभी कहीं बैर के लिए जगह ही नहीं हैं। कार्यक्रम के मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करो: राज्यपाल आरिफ खान ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा ज्ञान हासिल करने की कोशिश करो। अगर आपके पास प्रतिभा, ज्ञान और जानकारी है, आज के युग में ऐसे व्यक्ति को कोई अनदेखा नहीं कर सकता। आज के इनफॉर्मेशन एज में ज्ञान ही असली शक्ति हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि इस्नान की जिंदगी का उद्देश्य मृत्यु पर्यन्त ज्ञान की खोज करते रहना है।

श्री खान ने कहा आज हमें अपने संस्कृति की रक्षा करने के लिए ज्ञान के इस साझेदारी को फिर से शुरू करना है, क्योंकि हम ऐसी संस्कृति और सभ्यता के वंशज है जो अपने ज्ञान और प्रज्ञा के संवर्धन के लिए जानी जाती थी।

TOI PAGE 3

Prefer knowledge to politics: Kerala Guv

Times News Network

Kerala governor Arif Mohd Khan during the programme at LU

Lucknow: Kerala governor Arif Mohammad Khan on Saturday advised Lucknow University students not to get attracted to the glamour of politics and gain maximum knowledge. "Students are living in an internet age where there is no limit to gaining knowledge and learning something new every day," Khan said, while speaking during a book release function of former Lucknow University student and executive council member, Anil Singh, at LU.

Remembering his student days at LU, deputy chief minister Brajesh Pathak said not only the college canteen but people running the facility were close to his heart.

"The book is an evaluation of political and social situations faced by the writer throughout his life and its every chapter will connect with the life of LU students. It is a living document of the political scene of modern Lucknow," he said.